आचार्य जीवतराम भगवानदास कृपलानी

स्रोत: AIR

आचार्य जीवतराम भगवानदास कृपलानी की जयंती प्रत्येक वर्ष **11 नवंबर** को मनाई जाती है।

- **परिचय: आचार्य कृपलानी** का जन्म हैदराबाद (सिंध, अब पाकिस्तान में) में वर्ष 1888 में हुआ था, वे एक **प्रमुख सांसद और सामाजिक न्याय के योद्धा** थे।
  - उन्होंने विकेंद्रीकृत औद्योगीकरण, ग्रामीण क्षेत्रों के विकास तथा लघु एवं कुटीर उद्योगों में रोज़गार का पुरज़ोर समर्थन किया।
- **स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका:** महात्मा गांधी के दर्शन से गहराई से प्रेरित। **स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका:** महात्मा गांधी के सिद्धांत से गहराई से प्रेरित।
  - कृपलानी ने चंपारण सत्याग्रह (1917), खेड़ा सत्याग्रह (1918), **अहमदाबाद मिल हड़ताल (1918) और** नमक सत्याग्रह (1930) जैसे विभिन्न आंदोलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया।
  - 1920 के दशक में कॉन्ग्रेस पार्टी में शामिल हुए और वर्ष 1946 में **भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस** के अध्यक्ष बने।
- **योगदान:** कृपलानी ने संविधान सभा के सदस्य और **मौलिक अधिकार उप-समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।**
  - स्वतंत्रता के बाद उन्होंने **कृषक मज़दूर प्रजा पार्टी (1951)** का गठन किया**,** जिसका प्रजा सोशलिस्ट पार्टी में विलय हो गया और बाद में वे संसद के एक स्वतंत्र सदस्य बन गए।
  - उन्होंने अपनी आत्मकथा ??? ??????? ***(My Times)*** लिखी और साप्ताहिक पत्रिका ?????? का संचालन किया।
- **मृत्यु:** 19 मार्च 1982।

//

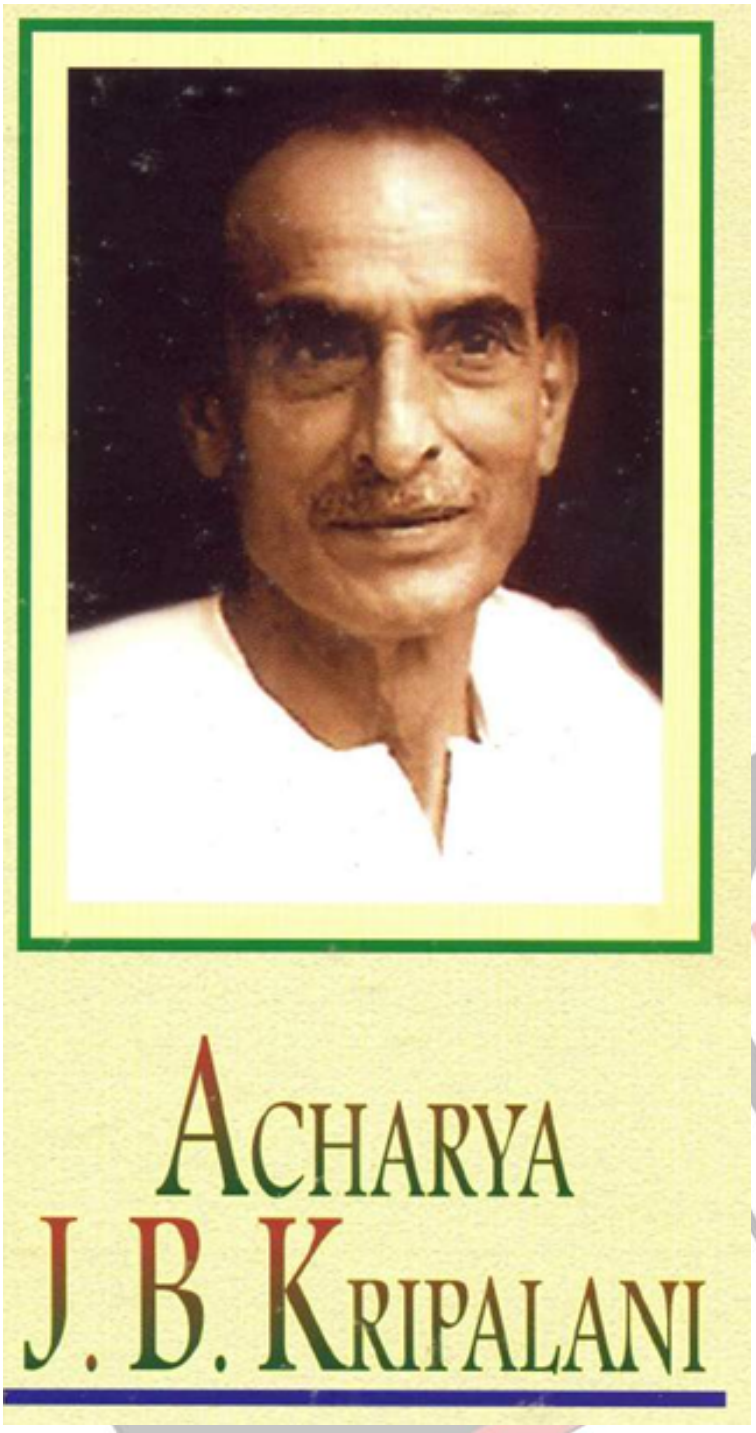

अधकि पढ़ें: [आचार्य कृपलानी]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/acharya-jiwantram-bhagwandas-kripalani